प्रश्न पुस्तिका क्रमांक / Question Booklet Serial No. :

SECONDARY SCHOOL EXAMINATION – 2025
माध्यमिक स्कूल परीक्षा – 2025

(ANNUAL / वार्षिक)

MODEL QUESTION

MAITHILI (OPTIONAL)

मैथिली (ऐच्छिक)

विषय कोडः
Subject Code : **124**

प्रश्न पुस्तिका सेट कोड
Question Booklet Set Code

कुल प्रश्न : 100 + 6 = 106
Total Question : 100 + 6 = 106

कुल मुद्रित पृष्ठ :22
Total Printed Pages : 22

(समय : 3 घंटे 15 मिनट)
[Time : 3 Hours 15 Minutes]

(पूर्णांक : 100)
[Full Marks : 100]

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश / Instructions for the candidates :

1- परीक्षार्थी OMR उत्तर पत्रक पर अपना प्रश्न पुस्तिका क्रमांक (10 अंकों का) अवश्य लिखें।

2- परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।

3- दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।

4- प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।

5- यह प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभक्त है – खण्ड "अ" एवं खण्ड "ब"।

6- खण्ड "अ" में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं जिनमें 50 प्रश्न अनिवार्य हैं। यदि परीक्षार्थी 50 से अधिक प्रश्नों के उत्तर देते हैं, तो प्रथम 50 उत्तरों का ही मूल्यांकन किया जायेगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है। इनके उत्तर देने के लिए OMR उत्तर–पत्रक पर सही विकल्प को काले/नीले बॉल पेन से प्रगाढ़ करें। किसी भी प्रकार के ह्वाइटनर/ तरल पदार्थ/ ब्लेड/नाखून आदि का OMR उत्तर पत्रक में प्रयोग नहीं करें अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।

7- खण्ड "ब" में 6 विषयनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक निर्धारित हैं।

8- किसी प्रकार के इलेक्ट्रानिक उपकरण का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।

खण्ड – अ / Section-A

वस्तुनिष्ठ प्रश्न / Objective Type Questions

प्रश्न संख्या 1 सँ 100 धरिक प्रत्येक प्रश्नक संग चारि–चारि विकल्प (A, B, C, D) देल गेल अछि, जाहिमें एक सही अछि। सही विकल्प चुनिकय OMR शीटमे भरू। उत्तमे कोनो 50 प्रश्नक उत्तर दिअ। 50 x 1 = 50

1- 'वर्णरत्नाकर' पुस्तक लिखलनि :

(A) विद्यापति (B) गोविन्ददास

(C) ज्योतिरीश्वर (D) मनबोध

2- महाराज नान्यदेव द्वारा रचित ग्रंथ अछि :

(A) सरस्वती हृदयालंकार (B) गीत गोविन्द

(C) वर्णरत्नाकर (D) रागतरंगिणी

3- 'पुरुष परीक्षा' रचना छनि :

(A) गोविन्ददासक (B) विद्यापतिक

(C) लोचनक (D) जयदेवक

4- 'देसिल बअना सवजन मिट्ठा उक्ति छनि :

(A) चन्दा झाक (B) लालदासक

(C) विद्यापतिक (D) अभियकरक

5- 'गंडक' ओ 'महानंदा' नदी भंडार अछि :

(A) धातुक (B) कंकरीटक

(C) विद्युतक (D) एहिमे कोनो नहि

6- 'मिथिला मिहिर' क 'मिथिलांक' प्रकाशित भेल :

(A) 1930 ई० मे

(B) 1932 ई० मे

(C) 1934 ई० में

(D) 1935 ई० में

7- अर्थशास्त्र एवं दण्ड नीतिक परम्परा क्षीण होबए लागल :

(A) एगारहम शताब्दी धरि

(B) बारहम शताब्दी धरि

(C) तेरहम शताब्दी धरि

(D) चौदहम शताब्दी धरि

8- 'पृथ्वी ते पात्रं' कथा लिखलनि :

(A) बिलट पासवान 'विहंगम'

(B) उदय चन्द्र झा 'विनोद'

(C) नरेन्द्र झा

(D) यात्री

9- विदेह ओ लिच्छवि–बज्जिसंघकेँ अपनामे आत्मसात कए लेलक :

(A) मौर्य साम्राज्य

(B) गुप्त साम्राज्य

(C) कर्णाट राजवंश

(D) ओइनिवार राजवंश

10- गुप्त साम्राज्य 'मिथिला'क नवीन नामकरण कयलक :

(A) नैमिकानन

(B) तीरभुक्ति

(C) विदेह

(D) एहिमे कोनो नहि

11- मिथिलाक बारहगोट नामक गौरबबोधक उल्लेख अछि :

(A) 'हरिवंश पुराण' मे

(B) 'शिवपुराण' मे

(C) 'वृहद् विष्णुपुराण' में

(D) 'गरुड़ पुराण' मे

12- 'पत्रहीन नग्न गाछ पर' पुरस्कृत भेलाह :

(A) मधुप (B) मणिपद्म

(C) यात्री (D) किरण

13- 'यात्री'क निधन भेलनि :

(A) 5 नवम्बर, 1998 मे (B) 5 नवम्बर, 1999 मे

(C) 5 नवम्बर, 2000 मे (D) 5 नवम्बर, 2001 मे

14- तीन वेदसँ आहूति देनिहार ब्रह्मज्ञानीलोकनिक निवासस्थान कहौलक :

(A) त्रिराहुति (B) गांधार प्रदेश

(C) लिच्छवी गणराज्य (D) हस्तिनापुर

15- लोकगाथाक नायक छथि :

(A) दुलारा दयाल (B) सलहेस

(C) दीनाभद्री (D) उक्त तीनू

16- पाठ्यांशसे पानिक प्रतीक्षामे अछि :

(A) पियासल बड़ेरी (B) ओरियानी

(C) किसान (D) उक्त तीनू

17- "सीबि आबी लगाबै छी नित्य चेफरी"

—पाँती अछि :

(A) 'गाम आ शहर'क (B) 'हम भेटब'क

(C) 'अकाल'क (D) 'युगधर्म'क

18- गाममे एखन धरि बाँचल अछि :

(A) सम्बन्ध (B) सनकल

(C) बरिसल (D) वैमनस्य

19- 'सहर जमीन' पोथी छथि :

(A) वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री'क (B) उदयचन्द्र झा 'विनोद'क

(C) आरसी प्रसाद सिंहक (D) बिलट पासवान'बिहंगम'क

20- 'अछि गीदड़कैँ हरिण कहै ले होड़ मचल हम मौन छी'

–पाँती अछि :

(A) 'फूलक नोर खसल'क (B) 'सनातन मानव'क

(C) 'हम भेटब'क (D) 'युगधर्म'क

21- "चन्द्रलोक धरि रोपि पयर हम, घूमि रहल छी गगन–बिहारी" पाँती अछि :

(A) 'अकाल'क (B) 'युगधर्म'क

(C) 'गाम आ शहर'क (D) 'सनातन मानव'क

22- "बूढ़ि ने कहिअउ, कन्हुआकैँ ताकत बेटा–भातिज" पाँती अछि :

(A) 'हम भेटब'क (B) 'सनातन मानव'क

(C) 'फूलक नोर खसल'क (D) 'युगधर्म'क

23- वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री'क हिन्दी रचना छनि :

(A) रतिनाथ की चाची (B) बलचनमा

(C) बाबा बटेसरनाथ (D) उक्त तीनू

24- "अकालग्रस्त जिनगीक पहिल परिच्छेदकेँ झाँपय।'

—पाँती अछि :

(A) 'युगधर्म'क (B) 'अकाल'क

(C) 'फूलक नोर खसल'क (D) 'सनातन मानव'क

25- ब्रह्मा, विष्णु आओर महेश अविहित होइत छथि :

(A) संकटमोचक (B) विघ्नहर्ता

(C) त्रिदेव (D) त्रिकाल

26- सहकारिता क्षेत्रमे अत्याधुनिक सूत मिल कार्यरत छल :

(A) 1980 ई० मे (B) 1981 ई० मे

(C) 1982 ई० मे (D) 1983 ई० मे

27- पाठ्यांशक अनुसार 1955 ई० मे आधुनिक ढंगक कागज मिलक संख्या छल :

(A) एगारह (B) बारह

(C) तेरह (D) चौदह

28- किशनगंज जिलामे बोरा बुनल जाइत छल :

(A) हाथसँ (B) मशीनसँ

(C) करघा पर (D) एहिमे कोनो नहि

29- राज्यवस्त्र निगम द्वारा इन्डस्ट्रीयल कॉटन यार्ड प्रोजेक्ट स्थापित भेल :

(A) 1986 ई० मे (B) 1988 ई० मे

(C) 1990 ई० मे (D) 1992 ई० मे

30- आरसी प्रसाद सिंहक जन्म भेलनि :

(A) 1911 ई० मे (B) 1912 ई० मे

(C) 1913 ई० मे (D) 1914 ई० मे

31- भाग्यनारायण झाक कृति अछि :

(A) मनोरथ (B) सोनक ममता

(C) परदेस (D) उक्त तीनू

32- भाग्यनारायण झाक जन्म भेलनि :

(A) 1935 ई० मे (B) 1936 ई० मे

(C) 1938 ई० मे (D) 1939 ई० मे

33- 'अर्थतंत्र ओ भ्रष्टाचार' कृति अछि :

(A) देवकान्त झाक (B) भाग्यनारायण झाक

(C) मार्कण्डेय प्रवासीक (D) नरेन्द्र झाक

34- भाग्यनारायण झा समीक्षक आ अंशकालीन संवाददाता छलाह :

(A) 'मिथिला मिहिर'क (B) 'मिथिला दर्शन'क

(C) 'घर–बाहर'क (D) 'वैदही'क

35- विश्व–स्तरीय आर्थिक संपर्क आ लेन–देन बढ़ल अछि :

(A) भूमंडलीकरणसँ
(B) पूँजीवादसँ
(C) औद्योगिकरणसँ
(D) आधुनिकतासँ

36- आरसी प्रसाद सिंह गाम छनि :

(A) बल्लीपुर
(B) पिण्डारुछ
(C) एरौत
(D) टेकटारि

37- 'प्रतिपदाः एक अध्ययन' पोथी छनि :

(A) 'प्रवासी'क
(B) 'विनोद'क
(C) नवीनचन्द्र मिश्रक
(D) देवकान्त झाक

38- चौदहम शताब्दीमे आविर्भाव भेलनि :

(A) देवादित्य ठाकुरक
(B) चण्डेश्वर ठाकुरक
(C) वीरेश्वर ठाकुरक
(D) ज्योतिरीश्वर ठाकुरक

39- राज्य संचालनक नव व्यवस्था तथा नव कर्त्तव्यबोधक उल्लेख अछि :

(A) 'राजनीति रत्नाकर'मे
(B) 'दान रत्नाकर'मे
(C) 'धर्म रत्नाकर'मे
(D) 'न्याय रत्नाकर'मे

40- ई०पू० छठमसँ तेसर शताब्दी धरि बौद्धमतक केन्द्र छल :

(A) वैशाली
(B) सीतामढ़ी
(C) दरभंगा
(D) पटना

41- मिथिलामे पुनः वैदिक विचारधाराकेँ स्थापित कयलनि :

(A) कुमारिल भट्ट (B) उदयनाचार्य

(C) वाचस्पति (D) उक्त तीनू

42- पूर्व मीमांसा एवं स्मृति निबन्ध ग्रन्थक रचना भेल :

(A) आदिकालमे (B) मध्ययुगमे

(C) आधुनिकयुगमे (D) पाषाण युगमे

43- 'तत्त्व चिन्तामणि' कृतिक रचना भेल :

(A) एगारहम शताब्दीमे (B) बारहम शताब्दीमे

(C) तेरहम शताब्दीमे (D) चौदहम शताब्दीमे

44- 'महेशवाणी' ओ 'नचारी' गेय पद अछि :

(A) विष्णु विषयक (B) शिव विषयक

(C) भगवती विषयक (D) लोकगाथा विषयक

45- मैथिलीक मध्यकालकैँ कहल जाइछ :

(A) नाटक युग (B) आरव्यानक युग

(C) न्याय दर्शनक युग (D) एहमे कोनो नहि

46- विदेशी पर्यटक अलबरूनी भारत आयल छलाह :

(A) दसम शताब्दीमे (B) एगारहम शताब्दीमे

(C) बारह शताब्दीमे (D) तेरहम शताब्दीमे

47- विश्व पटलपर 'मधुबनी चित्रकला'कैँ पहुँचओलनि :

(A) उपेन्द्र महारथी (B) ललित नारयण मिश्र

(C) डब्ल्यू०सी०आर्चर (D) उक्त सभ

48- 'सोनाक रेशा' कहल जाइछ :

(A) प्लास्टिककेँ (B) सोनधातुकेँ

(C) जूटकेँ (D) लोहाकेँ

49- विद्यापति 'प्रतीक–पुरुष' रूपमे स्थापित भए गेल छथि :

(A) कला ओ संस्कृतिक माध्यमेँ (B) भाषा ओ साहित्यक माध्यमेँ

(C) मानव कल्याणक माध्यमेँ (D) व्यवहार ओ उदारताक माध्यमेँ

50- 'कठपाज' कहल जाइत अछि :

(A) दुष्टकेँ (B) लंगटकेँ

(C) कुतर्क कएनिहारकेँ (D) उक्त सभकेँ

51- 'कोल्हुक बड़द' मोहाबराक तात्पर्य अछि :

(A) सदिखन काज कयनिहार (B) काज सुतारब

(C) व्यर्थ समय बितायब (D) तुच्छ होएब

52- 'चारुनाल चीत करब' मोहाबराक तात्पर्य अछि :

(A) बाधा देब (B) पराजित होएब

(C) भार होएब (D) व्यर्थ चिन्ता करब

53- 'दुतियाक चान होएब' मोहाबराक तात्पर्य अछि :

(A) बहुत दिनपर दर्शन देब (B) विश्राम करब

(C) विपरीत काज करब (D) मंदबुद्धि

54- 'चेहरा पर हवाइ उड़ब' मोहाबराक तात्पर्य अछि :

(A) वीरताक परिचय देब (B) अपन अपकार करब

(C) क्रुद्ध होयब (D) क्रोध बढ़ायब

55- अव्ययीभाव समासक उदाहरण अछि :

(A) निर्विघ्न (B) प्रतिदिन

(C) अनुरूप (D) उक्त तीनू

56- तत्पुरूष समासक उदाहरण अछि :

(A) भिखमंगा (B) बटखर्चा

(C) मदमत्त (D) उक्त तीनू

57- 'नीलकमल' शब्द समासक उदाहरण अछि :

(A) 'तत्पुरुष'क (B) 'कर्मधारय'क

(C) 'द्विगु'क (D) 'द्वन्द्व'क

58- नञ् समासक उदाहरण अछि :

(A) अनचिन्हार (B) त्रिभुवन

(C) लोटा–डोरी (D) एहिमे कोनो नहि

59- 'यण् सन्धि'क उदाहरण अछि :

(A) अनु+अय = अन्वय (B) प्रति+एक = प्रत्येक

(C) देवी+आगमन = देव्यागमन (D) उक्त तीनू

60- गज+इन्द्र =गजेन्द्र संधिक उदाहरण अछि :

(A) दीर्घ (B) गुण

(C) वृद्धि (D) यण्

61- पुरोहित शब्दक सन्धि विच्छेद अछि :

(A) पुरः + हित (B) पुर + हित

(C) पर + अहित (D) पुरह + हित

62- 'अयादि संधि'क उदाहरण अछि :

(A) ने + अन = नयन (B) भो + अन = भवन

(C) पौ + अक = पावक (D) उक्त तीनू

63- "पिता पुत्र लेल मोदक आनलक" – एहि वाक्यमे कारक अछि :

(A) करण (B) सम्प्रदान

(C) अपादान (D) सम्बन्ध

64- "गाछसँ पात खसैत अछि" – एहि वाक्यमे कारक अछि :

(A) सम्प्रदान (B) अपादान

(C) सम्बन्ध (D) अधिकरण

65- "ओतहि अहाँ पोथी पढ़ि लेब" एहि वाक्यमे क्रिया अछि :

(A) पूर्वकालिक (B) संयुक्त

(C) प्रेरणार्थक (D) कामनात्मक

66- "विमल गायकँ खुटेसने अछि" – एहि वाक्यमे क्रिया अछि :

(A) सहायिका (B) नामधातु

(C) कामानात्मक (D) प्रेरणार्थक

67- 'महक' शब्दक पर्यायवाची अछि :

(A) परिमल (B) चित्रलोचन

(C) आनन (D) रुधिर

68- 'मृत्यु' शब्दक पर्यायवाची अछि :

(A) देहावसान (B) इन्तकाल

(C) निधन (D) उक्त तीनू

69- 'वसन्त' शब्दक पर्यायवाची अछि :

(A) ऋतुराज (B) पुष्परस

(C) कुच्चि (D) आसक्ति

70- 'ठोसगर' शब्दक अर्थ होइछ :

(A) मजगूत (B) नहि लचकऽ–पचकऽ बला

(C) सक्कत (D) उक्त सभ

71- सबहि प्रकारक उपकार करबा लेल तैआर व्यक्ति कहबैछ :

(A) मित्र (B) सुहृदय

(C) शूर (D) एहिमे कोनो नहि

72- जकरा आवश्यकता पूर्ति लेल पर्याप्त धन नहि हो, से कहबैछ :

(A) कृपण (B) दरिद्र

(C) स्वजन कंजूस (D) एहिमे कोनो नहि

73- स्थल वा जनक ओ संकीर्ण भाग जे स्थल आ जल दूनू खण्डकें मिलबैत अछि, से कहबैछ :

(A) जलवायु (B) त्रिविधवायु

(C) डमरूमध्य (D) उद्‌गम स्थल

74- "जाधरि साँस ता धरि आस" लोकोक्तिक तात्पर्य अछि :

(A) मरबाक समय धरि आशा (B) स्वभाव नहि बदलैछ

(C) अपराधक स्पष्ट लक्षण (D) मुह देखलासँ व्यक्तिक परिचय

75- 'जे गरजए, से बरिसए नहि' लोकोक्तिक तात्पर्य अछि :

(A) बहुत बजनिहारसँ काज नहि होइछ (B) उचितक त्याग

(C) छोटसँ जेठमे अधिक ऐब (D) योग्यतासँ फाजिल गप्प करब

76- "भेल बियाह मोर करबह की?" लोकोक्ति तात्पर्य अछि :

(A) अपन–अपन घातमे सब रहैछ (B) अभावमे बीतल बात मोन पड़ैछ

(C) बेर परका भड़ारी (D) प्रबल भाग्यसँ अभीष्टक प्राप्ति

77- "मौनं स्वीकारलक्षणम्" लोकोक्तिक तात्पर्य अछि :

(A) चुप रहब सम्मतिक लक्षण (B) कथनी आ करनीमे अन्तर

(C) क्षणिक प्रेम (D) योग्यतानुसारें कार्य उचित

78- 'पौराणिक' शब्दक विशेषण अछि :

(A) पुरातत्त्व (B) पौराणिकता

(C) पुरुषत्व (D) पौरुष

79- 'परलोक' शब्दक विशेषण अछि :

(A) प्रणम्य (B) पैतृक

(C) पारलौकिक (D) पूजनीय

80- 'च' वर्गक उच्चारण स्थान अछि :

(A) ओठ (B) तालु

(C) मूर्द्धा (D) कण्ठ

81- मैथिलीमे व्यंजन–वर्णक संख्या अछि :

(A) बीस (B) पचीस

(C) तीस (D) तैंतीस

82- 'धान्य' शब्द उदाहरण अछि :

(A) संस्कृत तत्समक (B) तद्भवक

(C) देशजक (D) विदेशजक

83- 'बच्चा' शब्द उदाहरण अछि :

(A) संस्कृत तत्समक (B) तद्भवक

(C) देशजक (D) विदेशजक

84- 'घैलची' शब्द उदाहरण अछि :

(A) देशजक (B) विदेशजक

(C) संस्कृत तत्समक (D) तद्भवक

85- 'तमाम' शब्द उदाहरण अछि :

(A) देशजक (B) विदेशजक

(C) संस्कृत तत्समक (D) तद्भवक

86- 'नाग' शब्दक स्त्रीलिंग अछि :

(A) बाघिन (B) नागरी

(C) नागिन (D) नगीना

87- 'अबला' शब्दक पुँल्लिंग अछि :

(A) प्रबल (B) अबल

(C) चतुर (D) निपुण

88- 'पराक्रम' शब्दमे उपसर्ग अछि :

(A) परा (B) क्रम

(C) आक्रम (D) पर

89- 'अभिमान' शब्दमे उपसर्ग अछि :

(A) मान (B) अभि

(C) अ (D) भिमान

90- 'पानदान' शब्दमे प्रत्यय अछि :

(A) पान (B) दान

(C) आदान (D) पा

91- 'अगिला' शब्दमे प्रत्यय अछि :

(A) अ (B) इला

(C) गिला (D) अग

92- 'अल्पसंख्य'क शब्दक विरीतार्थक अछि :

(A) बहुज्ञ (B) बहुसंख्यक

(C) जनसंख्या (D) आधुनिक

93- 'इतिश्री' शब्दक विपरीतार्थक अछि :

(A) ईमानदार (B) अनीश

(C) श्रीगणेश (D) ईश्वर

94- 'प्रतिक्रिया' शब्दक विपरीतार्थक अछि :

(A) अनुक्रिया (B) अस्त्रीकरण

(C) आकस्मिक (D) आगामी

95- 'आयुष्मान' शब्दक पर्यायवाची अछि :

(A) चिरायु (B) दीर्घायु

(C) शतायु (D) उक्त तीनू

96- 'अन्हार–धुन्हार' शब्दक अर्थ अछि :

(A) ऊँच–नीच (B) अन्हारगुप्प

(C) उत्पाती (D) बेकार

97- 'गोड़कट' शब्दक अर्थ अछि :

(A) चलबाकालक संघटन (B) अस्थिर चित्त

(C) पएर पसारिकँ सुतबामे छोट (D) यत्र–कुत्र पसरल

98- 'व्यक्तिवाचक' संज्ञाक उदाहरण अछि :

(A) विद्यापति (B) राजकमल

(C) चन्दा झा (D) उक्त तीनू

99- 'क्षमा' संज्ञाक उदाहरण अछि :

(A) समूहवाचक (B) व्यक्तिवाचक

(C) भाववाचक (D) जातिवाचक

100- साओनसँ कातिक धरि बरसातक चारि मास कहबैछ :

(A) चतुर्मास (B) छओमासा

(C) बारहमासा (D) उक्त तीनू

खण्ड – ब / Section-B

विषयनिष्ठ प्रश्न

1- निम्नलिखित मे कोनो **एक** विषय पर निबंध लिखू (लगभग 250–300 शब्दमे) : 1 x 10 = 10

(क) बाढ़िसँ क्षति

(ख) व्यावसायिक शिक्षासँ लाभ

(ग) वन–संरक्षण

(घ) स्त्री शिक्षा

(ङ.) वसन्त ऋतु

2- निम्नलिखितमे कोनो **एक** प्रश्नक उत्तर दिअ : 1 x 7 = 7

(क) परीक्षाक नीक तैआरी करबा लेल छोट भाइकैँ पत्र लीखि मार्गदर्शन करू।

(ख) ऐतिहासिक स्थानक भ्रमण करयबा लेल प्रधानाध्यापककैँ आवेदन लीखि निवदेन करू।

3- निम्नलिखितमे कोनो दूगोट उद्धरणक संक्षेपण शीर्षक दैत करू : 2 x 4 = 8

(क) 'स्वान्तः सुखाय' अथवा 'कला कला लेल' तँ कलाकारक परम सुखधाम थिके, मुदा मिथिलाक शिल्पकलामे जीवनक यथार्थ प्रतिबिम्बन, आनन्द ओ विनोदक अतिरिक्त सेवा–समर्पण एवं आर्थिक उपयोगिताक सृजनक भाव सेहो निहित अछि। अर्थशास्त्रक

शब्दावलीमे यदि उत्पादन उपयोगिताक सृजन थिक तँ मैथिल चित्रशिल्प एक सहज–सुन्दर निदर्शन–प्रदर्शन। गृह उद्योग रूपमे विकसित आइ ई कृषिक क्षेत्रमे पसरल बेकारीक समस्याक यथेष्ट समाधान प्रस्तुत कय सकैत अछि।

(ख) राष्ट्रक आर्थिक विकासमे यातायात साधनक विशेष महत्त्व अछि। आर्थिक मात्र नहि सामाजिक, अपितु सांस्कृतिक, बौद्धिक आदि दृष्टिकोणसँ एकर महत्त्व छैक। यदि कृषि एवं उद्योग राष्ट्ररूपी प्राणीक शरीर ओ हड्डी थिक तऽ यातायात ओकर जीवन तन्तु। एहि अंचलक विकासमे समुचित यातायात व्यवस्था नहि रहलासँ बड़ पैघ असौकर्य भऽ रहल छल, मुदा विगत एक दशकसँ मिथिलांचलक संग–संग बिहारक समस्याक समाधान करबा लेल नेशनल हाइवेज, स्वर्णिम चतुर्भुज योजना, इस्ट एण्ड वेस्ट कोरिडोर योजनाक अन्तर्गत मिथिलांचलमे अनेक सड़कक निर्माण भऽ रहल अछि। प्रत्येक ग्रामकेँ सड़क द्वारा शहरसँ जोड़बाक योजना चलि रहल अछि।

(ग) भारत पावन ग्राओर ऋषि–मुनिक देश रहल अछि; तपस्वी साधकक पुण्यभूमि रहल अछि; ज्ञानी–विज्ञानीक रहल अछि। आ ई लोकनि समय–समय पर आविर्भूत भऽ विविधतामे एकताक संदेश प्रदान करैत रहल छथि। जगतगुरु आदि शंकराचार्य द्वारा चारि गोट शक्ति–पीठक स्थापना सम्पूर्ण देशकेँ भावात्मक ऐक्य–सूत्र मे आवद्ध करबाक स्तुत्य प्रयत्न छल, परंच देश मध्य विघटनकारी तत्त्वक इतिहास अति पुरातन थीक।

(घ) प्राचीनतम प्रमाण सभसँ पुष्ट होइत अछि जे मिथिला दीर्घकाल धरि वैदिक ओ उपनिषद् विद्याक केन्द्र छल। राजा सभक दरबारमे तँ ज्ञानक ज्योति जरितहिँ छल, समाजक सभ वर्गमे लोक उच्च श्रेणीक विचारक ओ ज्ञानी होइत छल। उदाहरणार्थ महाभारतक वन पर्वमे मिथिलाक धर्मव्यापक तथा पतिव्रता साध्वीक कथा प्रस्तुत अछि। एहि ज्ञान गरिमा ओ वैचारिक स्तरीयताक कारणेँ याज्ञवल्कयस्मृतिमे धर्मसँ सम्बद्ध निर्णय मिथिलाक सामान्य व्यवहारमे देखबाक निर्देश अछि – "धर्मस्य निर्णयो ज्ञेयो मिथिला व्यवहारतः।

4- निम्नलिखितमे कोनो **एकटाक** आशय लिखू 1 x 5 = 5

(क) पानिक प्रतिक्षामे अछि
पियासल बड़ेरी ओरियानी
निपह– पोतह
क्षयग्रस्त पतिक कय–दस्तकँ
धोअह–पखारह
एड्सग्रस्त पतिक ऐंढनकँ
झाँपह – झाँपि कऽ राखह
अकाल छै।

(ख) विद्यापति कालमे सेहो ई समस्या छल; अनमेल विवाहक समस्या। विद्यापतितँ राधा–कृष्ण, माने युवा–युवतीक रंग–रभसमे भेर अथवा पूजा–पाठमे निमग्न, जखन समाज दिस तकलनि तऽ व्यथित भऽ उठलाह। ओ पीड़िता बेटीक दर्द आ दाहकँ ओकरे स्वरमे कहलनि –"पिया मोरा बालक, हम तरुनी गे, कोन तप चुकलहुँ, भेलहु जननी गे।"

5- निम्नलिखिमे कोना **पाँच** लघूत्तरीय प्रश्नक उत्तर लिखू : 5 x 2 = 10

(क) आधुनिक कालमे बुच्चीदाइ कोन परम्पराक प्रतीक भेलीह ?

(ख) भारतीय–दर्शन भंडारकँ के सभ भरलनि ?

(ग) भूमंडलीकरणसँ कोन भाषाक उपेक्षा भेल ?

(घ) भूमिचित्र कोन अवसरपर लिखल जाइछ ?

(ड.) मिथिलामे कतेक तरहक फसिल होइछ ? किछु फसिलक नाम लिखू।

(च) मुस्लिम लीग कोन तरहेँ भारतीय एकताकेँ प्रभावित कयलक ?

(छ) पनिभरनी सभक जमातकेँ कोना चलऽ पड़ैत छैक ?

(ज) कोन कोणक बरिसलासँ बाढ़ि आयल ?

(झ) 'हम तिलकोरे पर' किएक भेटब ?

(ञ) पाठ्यांशक अनुसार किनकर निन्द कठोर छनि ?

6- निम्नलिखित दीर्घोत्तरीय प्रश्नमे कोनो दूटाक उत्तर दिअ : 2 x 5 = 10

(क) किसानक स्थिति सुधारबा लेल कवि की कहि रहल छथि ? विस्तारसँ वर्णन करू।

(ख) आजुक युगमे वेद–पुराण के सुनैत अछि ? 'युगधर्म' कविताक आधारपर लिखू।

(ग) हरिमोहन झाक साहित्यमे नारी जागरणक चित्रणक उल्लेख करू।

(घ) पाठ्यांक अनुसार भारतक केन्द्रिय विद्यालय संस्थान आ जर्मनीक संस्थानक बीच की समझौता भेल ?